आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

❑ वर्ष - 27 ❑ अंक - 132 उज्जैन, शनिवार 05 अप्रैल 2025 ❑ कुल पृष्ठ - 8, ❑ कीमत -1 रुपया

धार्मिक नगरों में पवित्र भाव और परिवारों में स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए लागू की शराबबंदी-मुख्यमंत्री

पीताम्बरा माई सहित देवी माँ की कृपा वाले सभी स्थानों को देवी लोक के रूप में किया जाएगा विकसित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वसुधैव कुटुंबकम के विचार वाली भारतीय संस्कृति संपूर्ण विश्व को परिवार मानती है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस सिद्धांत पर चल रही राज्य सरकार सभी के हित और कल्याण के लिए समर्पित है। परिवारों का वातावरण खराब न हो, मेहनत से कमाए गए पैसे का उपयोग परिवार के हित में हो, यह सुनिश्चित करने के लिए ही शराबबंदी लागू की गई है। धार्मिक नगरों में पवित्र भाव की अनुभूति होती है, अतः प्रदेश में विद्यमान 19 देव-स्थानों की गरिमा को बनाए रखने के लिए ही इन स्थानों पर शराबबंदी लागू की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव माँ पीताम्बरा की नगरी दतिया में शराबबंदी लागू करने के लिए आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधियों और नागरिकों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का दतिया में शराबबंदी के लिये नागरिक अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दतिया सहित प्रदेश में जहां-जहां देवी मां की कृपा है, वहां देवी लोक विकसित किए जाएंगे। चित्रकूट सहित भगवान श्रीराम से जुड़े प्रदेश के सभी स्थानों का श्रीराम वनपथ गमन मार्ग के अंतर्गत उन्नयन किया जा रहा है। इसी प्रकार भगवान श्रीकृष्ण की जहां-जहां भी लीलाएं हुईं, उन स्थानों को भी तीर्थ के रूप में विकसित करने के लिए बजट में प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति के मूल भाव ÷सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामय÷ के अनुरूप राज्य सरकार सबके कल्याण के लिए ही समर्पित भाव से काम कर रही है।

600 परिवार को बेदखल करेगा वक्फ बिल? एक जमीन का टुकड़ा बना बीजेपी का सियासी हथियार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुनंबम के निवासी उस समय खुशी से झूम उठे जब लोकसभा ने वक्फ संशोधन विधेयक को पारित किया। लोकसभा में बुधवार-गुरुवार मध्यरात्रि के बाद विधेयक पारित होने के तुरंत बाद मुनंबम तटीय क्षेत्र के लगभग 600 परिवारों ने पटाखे फोड़े।

बीजेपी ने इसे सभी नागरिकों के लिए संपत्ति के अधिकार को कायम रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। खासतौर पर केरल के एर्नाकुलम जिले के मुनंबम गांव का जिक्र करते हुए। यह मुनंबम गांव वही है, जहां 400 एकड़ जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा मुनंबम भू संरक्षण समिति के बैनर तले 173 दिनों से भूख हड़ताल पर बैठे इन लोगों ने नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद जैसे नारे लगाए और उम्मीद जताई कि नया कानून लागू होने के बाद यह मुद्दा सुलझ जाएगा। इन प्रदर्शनकारियों में अधिकतर ईसाई हैं।

मुनंबम समुदाय में खुशी- समिति के संयोजक जोसेफ बेनी ने उम्मीद जताई कि विधेयक लागू होने पर उन्हें अपनी संपत्तियों पर राजस्व अधिकार मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि संसद में केरल के निर्वाचन क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे कांग्रेस और वाममोर्चा के सांसद मुनंबम समुदाय की चिंताओं को आवाज देने में विफल रहे, जिससे लोगों को दुख हुआ है।

महाराष्ट्र में ASI ने बढ़ाई औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा, राज्यसभा में केंद्र सरकार ने दिया जवाब; बताया क्यों उठाया ये कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने गुरुवार को बताया कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण महाराष्ट्र के खुलदाबाद में मुगल सम्राट औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा के लिए लगातार सक्रिय उपाय कर रहा है। यह जानकारी केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी। उन्होंने कहा कि मकबरा ASI द्वारा संरक्षित स्मारक है और इसकी सुरक्षा को लेकर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

कब्र की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम - शेखावत ने बताया कि औरंगजेब की कब्र की सुरक्षा के लिए ASI और जिला प्रशासन मिलकर काम कर रहे हैं। मकबरे के चारों ओर 12 फीट ऊंची धातु की शीट लगाई गई है।

इसके साथ ही दीवारों पर कटीली तार (कॉन्सर्टिना वायर) लगाई गई है ताकि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति मकबरे में प्रवेश न कर सके। साथ ही, निजी सुरक्षा कर्मचारियों को तैनात किया गया है और ASI अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि औरंगजेब की कब्र ASI द्वारा संरक्षित है और इसकी पूरी जानकारी ASI की वेबसाइट पर उपलब्ध है। इस पर कोई जानकारी हटाए जाने की बात नहीं है।

यहां सिर्फ डिलिवरी और सट्टेबाजी ऐप बन रहा, देश के स्टार्टअप कल्चर पर फूटा पीयूष गोयल का गुस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में आज के समय तेजी से स्टार्ट-अप कल्चर को बढ़ावा मिल रहा है। हालांकि, देश में ज्यादातर स्टार्टअप कंपनियां ऐसी है जो फूड या अन्य सामग्रियों की डिलीवरी करती हैं। इन कंपनियों में ज्यादातर गिग वर्कर्स काम करते हैं, जिन्हें काफी कम सैलरी मिलती है।

इसी बीच गिग वर्कर्स को लेकर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पियूष गोयल ने न सिर्फ चिंता जाहिर की बल्कि स्टार्टअप इकोसिस्टम को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि आज के समय देश में फूड डिलिवरी ऐप , सट्टेबाजी ऐप पर ज्यादा फोकस है। वही, चीन में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), बैटरी प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे स्टार्टअप तेजी से फल-फूल रहे हैं।

गुरुवार को स्टार्टअप महाकुंभ में हिस्सा लेते हुए पीयूष गोयल ने सवाल किया कि क्या देश तकनीकी नवाचार के लिए प्रयास करने के बजाय कम वेतन वाली गिग नौकरियों से संतुष्ट हो रहा है। क्या हम आइसक्रीम या चिप्स बनाना चाहते हैं? क्या हम सिर्फ खुदरा व्यापार के लिए यहां हैं?

गिग वर्कर्स कल्चर को लेकर केंद्रीय मंत्री ने जताई चिंता - केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा,क्या हम डिलिवरी बॉय और गर्ल्स बनकर संतुष्ट होने जा रहे हैं? क्या यही भारत की नियति है? यह स्टार्टअप संस्कृति नहीं है , यह सिर्फ उद्यमिता है।

उन्होंने आगे कहा कि आज भारतीय स्टार्टअप क्या कर रहे हैं? हम फूड डिलीवरी ऐप को प्राथमिकता दे रहे हैं, बेरोजगार युवाओं को कम वेतन वाले गिग वर्कर्स में बदल रहे हैं ताकि अमीर लोग बिना बाहर निकले ही भोजन मंगवा सकें।

ये एतिहासिक क्षण है, Waqf Bill पारित होने पर बोले पीएम मोदी- लंबे समय से हाशिये पर रहे लोगों को सहारा मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल पर संसद की मुहर लग गई है। लोकसभा के बाद राज्यसभा में भी वक्फ संशोधन बिल 2025 पारित हो गया। अब इसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पहला रिएक्शन सामने आया है। पीएम मोदी ने ने इसे एतिहासिक क्षण बताया है।

पीएम मोदी ने कहा- वक्फ (संशोधन) विधेयक का संसद के दोनों सदनों से पारित होना सामाजिक-आर्थिक न्याय, पारदर्शिता और समावेशी विकास के लिए हमारे सामूहिक प्रयासों में एक महत्वपूर्ण क्षण है। पीएम मोदी ने आगे कहा-इससे खास तौर पर उन लोगों को मदद मिलेगी, जो लंबे समय से हाशिये पर रहे हैं और उन्हें आवाज और अवसर दोनों से वंचित रखा गया है।

पीएम ने जताया आभार - संसदीय और समिति चर्चाओं में भाग लेने वाले सभी सांसदों का आभार, जिन्होंने अपने विचार व्यक्त किए और इन कानूनों को मजबूत बनाने में योगदान दिया। संसदीय समिति को अपने बहुमूल्य सुझाव भेजने वाले अनगिनत लोगों का भी विशेष आभार। एक बार फिर, व्यापक बहस और संवाद के महत्व की पुष्टि हुई है।

उन्होंने आगे लिखा, अब हम ऐसे युग में प्रवेश करेंगे जहां ढांचा अधिक आधुनिक और सामाजिक न्याय के प्रति संवेदनशील होगा। व्यापक रूप से हम प्रत्येक नागरिक की गरिमा को प्राथमिकता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसी तरह हम एक मजबूत, अधिक समावेशी और अधिक दयालु भारत का निर्माण भी कर सकते हैं।

13 साल से कम उम्र के बच्चों को न चलाने दें सोशल मीडिया, सुप्रीम कोर्ट पहुंचा याचिकाकर्ता तो मिला ये जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें 13 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के उपयोग पर कानूनी प्रतिबंध लगाने की मांग की गई थी। अदालत ने कहा कि यह नीतिगत का मामला है और इसे संसद से कानून बनाने के लिए कहा जा सकता है।

अदालत का निर्णय और याचिकाकर्ता को राहत- न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने कहा, यह नीतिगत का मामला है।

10 साल पहले पीएम मोदी ने मोहम्मद यूनुस को दिया था गोल्ड मेडल, अब प्रधानमंत्री को बांग्लादेश से मिला खास तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के दौरे पर हैं। यहां पर पीएम मोदी ने बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया। इस दौरान बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस और पीएम मोदी के बीच मुलाकात भी हुई। इस खास मौके पर मोहम्मद यूनुस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खास उपहार दिया।

दरअसल, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने पीएम नरेंद्र मोदी को एक तस्वीर उपहार के तौर पर दी। ये तस्वीर 03 जनवरी 2015 की है। इसी दिन पीएम मोदी ने 102वीं इंडियन साइंस कांग्रेस में प्रोफेसर यूनुस को गोल्ड मेडल दिया था। इस तस्वीर में पीएम मोदी और मोहम्मद यूनुस नजर आ रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस के ऑफिस ने शेयर की पोस्ट- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रोफेसर यूनुस के कार्यालय ने एक पोस्ट साझा की है। इस पोस्ट दो फोटो शेयर की गई है। इस पोस्ट में लिखा गया है कि प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस शुक्रवार को बैंकॉक में अपनी द्विपक्षीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक तस्वीर पेश कर रहे हैं। यह तस्वीर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 3 जनवरी, 2015 को 102वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस में प्रोफेसर यूनुस को स्वर्ण पदक प्रदान करने के बारे में है।

अंतरिम सरकार के गठन के बाद पहली बार मिले दोनों नेता- जानकारी दें कि बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद ये पहला मौका है जब पीएम मोदी और मोहम्मद यूनुस के बीच मुलाकात हुई है। दोनों नेताओं की मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर चर्चा भी हुई। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चिंता जाहिर की।

दोनों नेताओं के बीच किन मुद्दों पर हुई चर्चा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस के बीच किन मुद्दों पर चर्चा की गई, इसकी जानकारी विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने विस्तृत तौर पर दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। उन्होंने प्रो. यूनुस को बताया कि भारत बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की इच्छा रखता है।

सोशल मीडिया पर हजारों फॉलोवर्स वाली नर्स की हुई मौत, थोड़ी देर पहले बच्चे को दिया था जन्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। नर्सिंग इन्फ्लुएंसर हैली ओकुला की अपने पहले बच्चे को जन्म देने के बाद कुछ दिक्कतों के कारण मौत हो गई। पति मैथ्यू ओकुला ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। ओकुला एक ईआर नर्स थीं, जिन्हें ऑनलाइन नर्स हैली के नाम से जाना जाता था।

इंस्टाग्राम पर हैं लाखों फॉलोवर्स- हैली को काफी समय से बच्चा नहीं हो रहा था और उन्होंने इस समस्याओं के बारे में खुलकर बात की थी। हैली ने अपनी गर्भावस्था की यात्रा को साझा करने के बाद लोकप्रियता और हजारों फॉलोवर्स हासिल किए थे।

हैली के पति ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर निधन की दी जानकारी- हैली के पति मैथ्यू ने इंस्टाग्राम पर लिखा, मैं बहुत भारी मन से अपनी खूबसूरत पत्नी हैली मैरी ओकुला के प्रसव संबंधी दिक्कतों के कारण समय से पहले निधन की खबर को साझा कर रहा हूं। कोई भी शब्द उस फीलिंग को व्यक्त नहीं कर सकता जो मैं महसूस कर रहा हूं। हैली एक पत्नी और साथी के रूप में मेरी कल्पना से कहीं बढ़कर थी।

मैथ्यू ने आगे लिखा, वह खूबसूरत, स्मार्ट, मेहनती, भावुक, भरोसेमंद थी। लगभग 13 वर्षों तक वह सबसे कठिन समय में मेरे साथ खड़ी रही और मुझे बहुत सारा प्यार करती रही। वह मेरी सब कुछ थी।

कार्डियक अरेस्ट से हुई मौत- स्थानीय स्टेशन KTTV के अनुसार, हैली ओकुला को अपने बेटे करू को जन्म देने के कुछ ही मिनटों बाद कार्डियक अरेस्ट हो गया था जिससे उनका निधन हुआ।

ओकुला को इन विट्रो फर्टिलाइजेशन के माध्यम से गर्भवती होने के लिए दो साल तक इंतजार करना पड़ा था। उन्होंने सितंबर के महीने में अपने फॉलोवर्स से अपने गर्भवती होने की जानकारी साझा की थी।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं- हैली ओकुला के हज़ारों फ़ॉलोअर्स ने उनके निधन पर दुख जताया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उनके साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा किया। एक यूजर ने लिखा, कृपया मुझे बताएं कि यह सिर्फ़ एक भयानक मज़ाक है। जबकि दूसरे ने कहा, वह मेरे अस्पताल में भर्ती होने के दौरान मेरी नर्स थी। मैं उसकी दयालुता और मदद को कभी नहीं भूलूंगा।

चीन-अमेरिका में ट्रेड वार शुरू, ट्रंप के टैरिफ के बाद चिनफिंग ने भी लगाया 34% जवाबी टैक्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। ट्रेड वार को बढ़ावा देते हुए चीन ने 10 अप्रैल से संयुक्त राज्य अमेरिका से आयातित सभी उत्पादों पर अतिरिक्त 34 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी है। राज्य परिषद के सीमा शुल्क टैरिफ आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की।

यह घोषणा संयुक्त राज्य अमेरिका को चीनी निर्यात पर रेसीप्रोकल टैरिफ लगाने के अमेरिकी फैसले के बाद की गई है। चीनी आयोग ने कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नियमों के अनुरूप नहीं है। यह चीन के वैध अधिकारों और हितों को गंभीर रूप से कमजोर करता है और एकतरफा बदमाशी का एक विशिष्ट कार्य दर्शाता है।

रेयर अर्थ पर भी कड़े प्रतिबंध- चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि वह 11 अमेरिकी कंपनियों को अपनी अविश्वसनीय संस्थाओं की सूची में जोड़ रहा है, जो उन्हें चीन में या चीनी कंपनियों के साथ व्यापार करने से रोकता है। मंत्रालय ने गैडोलीनियम और यट्रियम सहित कुछ दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के निर्यात पर भी कड़े प्रतिबंध लगाए।

वैश्विक निवेश बैंक जेपी मॉर्गन ने कहा है कि अब वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2025 के अंत तक मंदी में प्रवेश करने की 60 प्रतिशत संभावना है, जो पहले 40 प्रतिशत थी। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका द्वारा लगाए गए रेसीप्रोकल टैरिफ निस्संदेह सभी देशों को प्रभावित करेंगे, लेकिन भारतीय निर्यातक प्रतिद्वंद्वी के रूप में मजबूत होकर उभर सकता हैं।

विश्व व्यापार संगठन में भी शिकायत- संयुक्त राज्य अमेरिका अपने अधिकांश दुर्लभ पृथ्वी का आयात करता है और अधिकांश चीन से आते हैं। वाणिज्य मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, सैमरियम, गैडोलीनियम, टेरबियम, डिस्प्रोसियम, ल्यूटेटियम, स्कैंडियम और यिट्रियम से संबंधित वस्तुओं सहित मध्यम और भारी दुर्लभ पृथ्वी की सात श्रेणियों को 4 अप्रैल से निर्यात नियंत्रण सूची में रखा जाएगा।

उधर चीन ने विश्व व्यापार संगठन से संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा टैरिफ के नए दौर की शुरूआत पर परामर्श का अनुरोध किया है। विश्व व्यापार संगठन में चीन के स्थायी मिशन ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि चीन ने संयुक्त राज्य अमेरिका के उपायों के संबंध में डब्ल्यूटीओ में शिकायत दर्ज की है। उसने कहा कि नए टैरिफ डब्ल्यूटीओ नियमों का स्पष्ट उल्लंघन हैं।

गाजा के बाद सीरिया में इजरायल की एयरस्ट्राइक, वायुसेना अड्डों को कर दिया तबाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल ने गुरुवार को सीरिया के वायुसेना अड्डों और आधारभूत ढांचों पर हमला बोल दिया। इस दौरान इजरायल के लड़ाकू विमानों और मिसाइलों ने सीरिया की राजधानी दमिश्क, हामा और होम्स शहरों को निशाना बनाया।

हमले में हामा का वायुसेना का अड्डा पूरी तरह से तबाह हो गया है और दर्जन भर लोग घायल हुए हैं। इजरायल पिछले कई वर्षों से सीरिया पर हवाई हमले कर रहा है। बशर अल-असद के शासन में इजरायल का आरोप था कि सीरिया ईरान और हिजबुल्ला के बीच की कड़ी है।

सीरिया से लेबनान पहुंचते हैं हथियार- ईरान से आने वाले हथियार और अन्य सामग्री सीरिया के रास्ते लेबनान में हिजबुल्ला के पास पहुंचती है जिसका इस्तेमाल इजरायल के खिलाफ होता है। लेकिन दिसंबर 24 में असद की सरकार के हटने और लेबनान में काफी हद तक हिजबुल्ला के बर्बाद हो जाने के बाद भी सीरिया में इजरायल के हमले जारी हैं।

ताजा हमले में दमिश्क के नजदीक स्थित बारजेह में बना साइंटिफिक रिसर्च सेंटर भी बर्बाद हो गया है। इजरायल का आरोप है कि यह सेंटर गाइडेड मिसाइल और रासायनिक हथियार विकसित करने में जुटा था।

साउथ कोरिया की अदालत ने यून सुक योल को राष्ट्रपति पद से हटाया, कहा- नहीं बर्दाश्त करेंगे ऐसी हरकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रपति यून सुक योल को पद से हटा दिया है। यून सुक योल पर देश में मार्शल लॉ लागू करने और संसद में सेना भेजने का आरोप है।

चार महीने पहले दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ लगाने के बाद राजनीतिक अस्थिरता का दौर शुरू हो गया जिसके कुछ ही घंटे बाद राष्ट्रपति ने मार्शल लॉ को हटाने का एलान किया था।

राष्ट्रपति पर अदालत का आरोप- सुबह अदालत में फैसला पढ़ते समय कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मून ह्युंग-बे ने मार्शल लॉ घोषित करने के यून के प्रत्येक कारण को खारिज कर दिया और कहा कि राष्ट्रपति ने दिसंबर में राजधानी की सड़कों पर सैनिकों को तैनात करके अपने अधिकार का गलत इस्तेमाल किया है।

कोरियाई लोगों को दिया धोखा- मून ने कहा, प्रतिवादी ने संवैधानिक संस्थाओं के अधिकार को खत्म करने के लिए सैन्य और पुलिस बलों को जुटाया और लोगों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन किया। ऐसा करके, उन्होंने संविधान को बनाए रखने के अपने

बांग्लादेश में हिंदुओं पर न हो अत्याचार..., मोहम्मद यूनुस से बोले PM मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई। बातचीत के दौरान पीएम मोदी ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर चिंता जाहिर की।

पीएम मोदी और मोहम्मद यूनुस के बीच क्या हुई बात- दोनों नेताओं की मुलाकात पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने विस्तृत तौर पर जानकारी दी। विक्रम मिसरी ने कहा, ÷प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। उन्होंने प्रो. यूनुस को बताया कि भारत बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की इच्छा रखता है।

विक्रम मिसरी ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी आग्रह किया कि माहौल को खराब करने वाली किसी भी बयानबाजी से बचना चाहिए। सीमा पर कानून का सख्त पालन और अवैध सीमा पार करने की रोकथाम सीमा सुरक्षा और सुरक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

मोहम्मद यूनुस के शासन में बांग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यकों (हिंदुओं) पर अत्याचार के कई मामले सामने आ चुके हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले को लेकर खुद पीएम मोदी ने चिंता जताई है।

पूर्वोत्तर राज्यों पर विवादित टिप्पणी कर चुके हैं यूनुस- बता दें कि थाईलैंड दौरे से पहले मोहम्मद यूनूस ने चीन की यात्रा की थी। वहां, उन्होंने भारत के पूर्वोत्तर राज्य को लेकर विवादित टिप्पणी की थी, जिसका भारत ने कड़ा विरोध किया था।

यूनुस ने उठाया शेख हसीना के प्रत्यर्पण का मामला, पीएम मोदी से मुलाकात में किन-किन मुद्दों पर हुई चर्चा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैंकॉक में बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मुकालात की। दोनों नेताओं के बीच कई कई मुद्दों पर चर्चा हुई। इस दौरान यूनुस ने शेख हसीना के प्रत्यर्पण का भी मुद्दा उठाया।

इसकी जानकारी विदेश मंत्रालय के सचिव विक्रम मिसरी ने दी। पीएम मोदी की थाईलैंड यात्रा पर ब्रीफिंग देते हुए मिसरी ने कहा, पीएम मोदी और मोहम्मद यूनुस के बीच शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर बातचीत हुई। इस बारे में मैं और कुछ नहीं कह सकता।

बांग्लादेश में स्थिरता के लिए समर्थन- बता दें कि बांग्लादेश में शेख हसीना के पद से हटने और देश छोड़ने के बाद पीएम मोदी से मोहम्मद यूनुस की यह पहली मुलाकात है। पीएम मोदी ने यूनुस से बांग्लादेश में जल्द से जल्द चुनाव कराने और हिंदुओं व अल्पसंख्यकों की स्थिति को मुद्दा उठाया।

मिसरी ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने लोकतांत्रिक, स्थिर, शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के लिए भारत के समर्थन को दोहराया। उन्होंने बांग्लादेश के साथ सकारात्मक और रचनात्मक संबंध बनाने की भारत की इच्छा को रेखांकित किया।

ट्रंप ने दुनिया को दिखाया गोल्ड कार्ड, US की नागरिकता पाने के कितने पैसे करने होंगे खर्च

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति बनने के बाद डोनाल्ड ट्रंप लगातार प्रवासन नियमों में बड़े बदलाव कर रहे हैं। हालांकि, कुछ दिनों पहले ट्रंप ने एलान किया था कि जिन अमीर प्रवासियों को अमेरिका आकर देश की भलाई के लिए कार्य करना है, उनके लिए गोल्ड कार्ड लाया गया है।

यह कार्ड अमीर प्रवासियों के लिए है। जो लोग अमेरिका में परमानेंट रेजीडेंसी या सिटीजनशिप चाहते हैं उनके लिए सरकार ये ऑफर लेकर आई है।

गोल्ड कार्ड की कीमत क्या है?

इसी बीच ट्रंप ने दुनिया को गोल्ड कार्ड दिखाया। सुनहरे रंग के इस कार्ड पर राष्ट्रपति ट्रंप की तस्वीर बनी हुई है। हाल ही में अमेरिकी कॉमर्स सेक्रेटरी होवर्ड लुटनिक ने दावा किया है कि अमेरिकी सरकार ने एक ही दिन में 1000 गोल्ड कार्ड बेच दिए हैं। गोल्ड कार्ड खरीदना काफी महंगा है। इस कार्ड को खरीदने के लिए 5 मिलियन डॉलर यानी 43 करोड़ रुपए खर करने होंगे।

क्या हैं गोल्ड कार्ड के क्या फायदे- अमेरिका में गोल्ड कार्ड खरीदने के लिए 5 मिलियन डॉलर का निवेश करना होगा।

गोल्ड कार्ड धारकों को कभी भी अमेरिका में आने और रहने का अधिकार मिलेगा।

गोल्ड कार्ड धारक अमेरिका में नागरिकता भी हासिल कर सकते हैं, लेकिन यह वैकल्पिक है।

नए अध्यक्ष की रेस में नहीं... अन्नामलाई ने तमिलनाडु बीजेपी चीफ के पद से दिया इस्तीफा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष के अन्नामलाई ने शुक्रवार को साफ किया कि वह प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी में किसी तरह की प्रतिस्पर्धा की कोई गुंजाइश नहीं होती और यह पद सर्वसम्मति से तय किया जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह किसी भी तरह की रेस में शामिल नहीं हैं। इस बयान के बाद बीजेपी पद से उनके इस्तीफे के कयास लगाए जा रहे हैं।

कोयंबटूर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान जब अन्नामलाई से पूछा गया कि क्या वह तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार हैं, तो उन्होंने कहा, ÷मैं नए प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में नहीं हूं। मैं किसी भी प्रतिस्पर्धा में नहीं पड़ता।

अन्नामलाई से यह भी पूछा गया कि क्या एआईएडीएमके 2026 विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी के साथ गठबंधन करने की शर्त के रूप में उन्हें पद से हटवाना चाहती है? इस पर उन्होंने कहा कि वह इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते। हालांकि, उन्होंने यह जरूर कहा कि बीजेपी आने वाले दिनों में अच्छा प्रदर्शन करेगी और नए अध्यक्ष के चुनाव के वक्त इस पर बात होगी।

वक्फ विधेयक पर दिया बड़ा बयान- अन्नामलाई ने वक्फ विधेयक का स्वागत करते हुए कहा कि इससे गरीब मुसलमानों को फायदा पहुंचेगा। उन्होंने दावा किया कि 1913 से 2013 तक देशभर में 18 लाख एकड़ जमीन वक्फ के अधीन थी, लेकिन 2013 से 2025 के बीच 21 लाख एकड़ और जुड़ गई है। यानी अब कुल 39 लाख एकड़ जमीन वक्फ के अधीन हो गई है।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु के तिरुचेंदुरई में पूरे शहर को वक्फ घोषित कर दिया गया था और मंदिरों की जमीन को भी वक्फ संपत्ति बताने की कोशिश की गई थी।

नीट विवाद पर स्टालिन सरकार को झटका, केंद्र ने विधेयक को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा ह्श्वश्वञ्ज का लगातार विरोध करती है। अब एक बार फिर ह्श्वश्वञ्ज विवाद को लेकर तमिलनाडु की स्टालिन सरकरा को केंद्र सरकार से झटका लगा है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नीट से छूट और मेडिकल में प्रवेश के लिए कक्षा 12वीं के अंकों का इस्तेमाल करने की अनुमति देने वाले विधेयक को अस्वीकार कर दिया।

क्या है स्टालिन सरकार की मांग- मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विधानसभा को राज्य विधानमंडल द्वारा दो बार - 2021 और 2022 में पारित किए गए और तब से केंद्र सरकार के पास लंबित एक विधेयक को अस्वीकार करने की जानकारी दी।

12वीं के अंक के आधार पर मिले एडमिशन - पिछले साल जून में विधानसभा ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव भी पारित किया, जिसमें केंद्र सरकार से NEET प्रणाली को खत्म करने और राज्यों को स्कूल के अंकों के आधार पर प्रवेश तय करने की अनुमति देने का आग्रह किया गया था। जिसमें केंद्र सरकार से NEET प्रणाली को खत्म करने और राज्यों को स्कूल के अंकों के आधार पर प्रवेश तय करने की अनुमति देने का आग्रह किया गया था।

भारत-कनाडा के रिश्तों में कैसे आई खटास? केंद्रीय मंत्री ने बताया दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने का मुख्य कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा के बीच हाल की कूटनीतिक तनातनी का कारण कनाडा में अलगाववादी और चरमपंथी तत्वों को दी गई छूट है। केंद्रीय विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह बयान दिया। विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक लिखित सवाल के जवाब में यह जानकारी दी।

विदेश मंत्रालय ने कनाडा सरकार द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों को भी खारिज कर दिया और उम्मीद जताई कि दोनों देश आपसी सम्मान और संवेदनशीलता के आधार पर संबंधों को फिर से स्थापित कर सकते हैं।

भारत ने कनाडा पर आरोप लगाए- केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत सरकार ने कनाडा से लगातार अपील की है कि वह अपने देश में सक्रिय सभी एंटी-इंडिया तत्वों के खिलाफ तुरंत और प्रभावी कार्रवाई करे। इन तत्वों का नाम नेताओं की हत्याओं को महिमामंडित करना, भारतीय नेताओं और राजनयिकों को धमकियां देना और पूजा स्थलों का अपमान और तोड़फोड़ करना शामिल है।

केंद्रीय मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा कि भारत सरकार कनाडा सरकार के साथ मिलकर कनाडा में भारत विरोधी तत्वों की गतिविधियों के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए लगातार बातचीत कर रही है।

कनाडा का भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप- भारत सरकार ने यह भी आरोप लगाया कि कनाडा लगातार भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप कर रहा है।

वक्फ बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने शुक्रवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 की वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया और दावा किया कि यह संवैधानिक प्रविधानों का उल्लंघन करता है। वहीं एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी बिल के खिलाफ याचिका दाखिल की है।

मोहम्मद जावेद की याचिका में कहा गया है कि विधेयक वक्फ संपत्तियों और उनके प्रबंधन पर मनमाने प्रतिबंध लगाता है, जिससे मुस्लिम समुदाय की धार्मिक स्वायत्तता कमजोर होती है। इस याचिका को अधिवक्ता अनस तनवीर के माध्यम से दायर किया गया है।

मुस्लिमों के साथ भेदभाव का आरोप- याचिका में कहा गया है कि विधेयक मुस्लिम समुदाय के साथ भेदभाव करता है क्योंकि इसमें ऐसे प्रतिबंध लगाए गए हैं जो अन्य धार्मिक बंदोबस्तों के प्रशासन में मौजूद नहीं हैं। बता दें कि राज्यसभा में 128 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में और 95 ने विरोध में वोट किया था।

इसे 3 अप्रैल की सुबह लोकसभा में पारित किया गया, जिसमें 288 सदस्यों ने इसका समर्थन किया और 232 ने इसका विरोध किया। बीजू जनता दल, जो पहले बिल के विरोध में था, उसने बाद में अपना स्टैंड बदल दिया और अपने सांसदों को विवेक के आधार पर फैसला लेने को कह दिया था।

ओवैसी ने फाड़ दी थी कॉपी- ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ याचिका दाखिल की है। अपनी याचिका में उन्होंने तर्क दिया कि विधेयक के प्रविधान मुसलमानों और मुस्लिम समुदाय के मौलिक अधिकारों का खुलेआम उल्लंघन करते हैं।

बता दें कि असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को लोकसभा में चर्चा के दौरान भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर हमला बोला और संशोधन के विरोध में विधेयक की प्रति को फाड़ दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वक्फ विधेयक के माध्यम से मुसलमानों के साथ अन्याय किया जाएगा।

विदा ले रहा हूं..., बेंगलुरु में शख्स ने खुदकुशी के लिए कांग्रेस को ठहराया जिम्मेदार; सुसाइड नोट में लिखी ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु के नागवारा इलाके में शुक्रवार को 35 वर्षीय विनय सोमैया ने अपने दफ्तर में आत्महत्या कर ली। अपने सुसाइड नोट में उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर उन्हें झूठे मामले में फंसाने और लगातार प्रताड़ित करने का आरोप लगाया।

विनय सोमैया कर्नाटक के कोडागु जिले के सोमवारपेट के निवासी थे और ÷कोडागिना समसयेगलु÷ नाम के एक व्हाट्सएप ग्रुप के एडमिन थे। विनय भाजपा के पदाधिकारी भी थे। इस ग्रुप में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कानूनी सलाहकार और कांग्रेस विधायक एएस पोन्नन्ना से जुड़ी एक विवादित पोस्ट साझा की गई थी। इस पोस्ट में विधायक की पारंपरिक कोडवा पोशाक में एक एडिटेड तस्वीर थी, जिसमें शौचालय की तस्वीर जोड़ी गई थी। साथ ही, इसमें अपमानजनक मैसेज भी लिखा गया था।

पोस्ट सामने आने के बाद, पुलिस ने ग्रुप के एडमिन और पोस्ट साझा करने वाले व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। विनय को आरोपी नंबर 3 बनाया गया, गिरफ्तार किया गया, और बाद में जमानत पर रिहा कर दिया गया। हालांकि, विनय का कहना था कि अदालत से राहत मिलने के बावजूद, कांग्रेस नेताओं और पुलिस द्वारा उनका लगातार उत्पीड़न किया जा रहा था।

विनय सोमैया ने अपने सुसाइड नोट में कांग्रेस नेता तेनीरा महेना और विधायक एएस पोन्नन्ना पर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, ÷पिछले दो महीनों से मैं मानसिक रूप से बहुत परेशान हूं। एक अन्य व्यक्ति ने व्हाट्सएप ग्रुप में एक पोस्ट साझा की थी, लेकिन मुझे इसके लिए दोषी ठहराया गया। मुझ पर राजनीति से प्रेरित एफआईआर दर्ज की गई और मुझे समाज में बदनाम किया गया।

ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी का भारत पर कितना होगा असर, कौन-कौन से सेक्टर्स होंगे प्रभावित?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ 27 प्रतिशत टैरिफ लगाने का एलान किया है। भारत के साथ-साथ दुनिया के दूसरे देश भी ट्रंप के निशाने पर आए हैं। हालांकि, ट्रंप का यह फैसला भारत के लिए आपदा की जगह एक सुनहरा अवसर साबित हो सकता है। आइए जानते हैं कि इस पारस्परिक टैरिफ का भारत पर कितना असर होगा?

क्या है टैरिफ- टैरिफ एक तरह का टैक्स है, जो वस्तुओं के आयात पर लगाया जाता है। इसे आयात शुल्क भी कहते हैं। वस्तुओं का आयात करने वाले को यह टैक्स सरकार को देना पड़ता है। आम तौर पर कंपनियां टैरिफ का बोझ ग्राहकों पर डालती हैं।

क्या है पारस्परिक टैरिफ- पारस्परिक टैरिफ का मतलब है कि कोई देश दूसरे देश पर उतना ही टैरिफ लगाएगा, जितना टैरिफ दूसरा देश उस पर लगा रहा है। ट्रंप ने भी दूसरे देशों को पारस्परिक टैरिफ की धमकी दी थी। उन्होंने कहा था कि हम दूसरे देशों पर उतना ही टैरिफ लगाएंगे, जितना वे हमारे उत्पादों पर लगाते हैं।

अमेरिका भारत पर कितना टैरिफ लगाता है- भारत से अमेरिका निर्यात किए जा रहे उत्पाद जैसे स्टील, एल्युमिनियम और ऑटो पर पहले से ही 25 प्रतिशत टैरिफ लग रहा है। बाकी उत्पादों पर 5-8 अप्रैल के बीच 10 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। इसके बाद 9 अप्रैल से भारत के उत्पादों पर 27 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। अमेरिका के टैरिफ वार से 60 से अधिक देश प्रभावित होंगे।

अमेरिका ने क्यों किया है टैरिफ का एलान- अमेरिका का दावा है कि टैरिफ से अमेरिका में घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा और व्यापार घाटा कम होगा। अमेरिका कई देशों के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार असंतुलन का सामना कर रहा है। खा कर चीन के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा काफी अधिक है। वस्तुओं के व्यापार में भारत के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 2023-24 में 35.31 अरब डॉलर रहा था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत   कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल सप्तमी

संपादकीय

भारत हज़ारों वर्षों से आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर एक अणखुट खज़ाने का धनी रहा है....

भारत हज़ारों वर्षों से संस्कृति, साहित्य, कला और संगीत के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति से भरपूर एक अणखुट खज़ाने का धनी रहा है जिसे विश्व के हर देश ने बड़ी जिज्ञासा के साथ महसूस किया है और यह जानने की कोशिश की है कि आखिर कोई देश इस अलौकिक सृष्टि में इतना कुदरती खज़ाने से भरपूर कैसे हो सकता है!!!

साथियों बात अगर हम इस वैश्विक सोच की करें तो हमारी जीत इस सोच के साथ ही हो जाती है कि हमारे देश के बारे में विश्व इतना सकारात्मक और जिज्ञासा से भरी बौद्धिक क्षमता से देख वह सोच रहा है। फिर सोने पर सुहागा है कि आज जिस तेजी के साथ हमारा देश प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा, कौशलता विकास, नवाचार, नवोन्मेष सहित अनेक क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है और वैश्विक स्तरपर उपलब्धियों की झड़ी लगा रहा है उसे देखकर पूर्ण विकसित देश भी हैरान हैं!!!

साथियों बात अगर हम वर्तमान में भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत को प्रोत्साहन देने और शासकीय स्तरपर लोगों को आगे आने की अपील करने की करें तो हम रोज़ प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में देखते सुनते पढ़ते हैं कि माननीय उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित अनेक बुद्धिजीवियों कला प्रेमियों द्वारा अपने अनेक संबोधनों में भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, भाषा, मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने और विलुप्तता से बचाने पर जोर दिया है हमारी भारतीय सभ्यता, परंपराओं, संस्कृति के विविध रंगों को सुरक्षित और कायम रखने के लिए उत्साहवर्धक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जा रहा है जो काबिले तारीफ है।

साथियों बात अगर हम इस डिजिटल इंडिया में भारतीय संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं के विभिन्न रंगों के संरक्षण और सुरक्षा की करें तो इसके हर रंग को जो मानवीय हस्तकला से संजोयित हैं, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि सदियों तक हमारी अगली पीढ़ी भी इसके महत्व का मूल्यांकन कर सके और जब तक यह सृष्टि रहे तब तक हमारी भारतीय संस्कृति, कला, साहित्य, संगीत सुरक्षित रहे जो हमारा अनमोल खज़ाना और धरोहर है उसे हम यूं विलुप्त होने नहीं देंगे यह सोच आज हर भारतीय नागरिक के हृदय में समाना अत्यंत ज़रूरी है, खास करके हमारे युवा साथियों को इस परंपरा को आगे संरक्षित करना है क्योंकि आज भारत की 65 फ़ीसदी जनसंख्या युवा है।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा मन की बात कार्यक्रम में कहे गए अपने विचारों की करें तो उन्होंने भी इस अवसर पर भारतीय कला, संस्कृति, साहित्य, संगीत पर सार्थक हृदय से अपने विचार रखें जो तारीफ़ के काबिल है पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, भारतीय संस्कृति के विविध रंगों और आध्यात्मिक शक्ति ने हमेशा से दुनियाभर के लोगों को अपनी ओर खींचा है। अगर मैं आपसे कहूँ कि भारतीय संस्कृति, अमेरिका, कनाडा, दुबई, सिंगापुर, पश्चिमी यूरोप और जापान में बहुत ही लोकप्रिय है तो यह बात आपको बहुत सामान्य लगेगी, आपको कोई हैरानी नहीं होगी। लेकिन, अगर ये कहूँ कि भारतीय संस्कृति का लेटिन अमेरिका और साउथ अमेरिका में भी बड़ा आकर्षण है, तो, आप एक बार जरुर सोच में पड़ जायेंगे। मैक्सिको में खादी को बढ़ावा देने की बात हो या फिर ब्राज़ील में भारतीय परम्पराओं को लोकप्रिय बनाने का प्रयास, मन की बात में हम इन विषयों पर पहले चर्चा कर चुके हैं। आज मैं आपको अर्जेंटीना में फहरा रहे भारतीय संस्कृति के परचम के बारे में बताऊंगा।

गुरु अमरदास

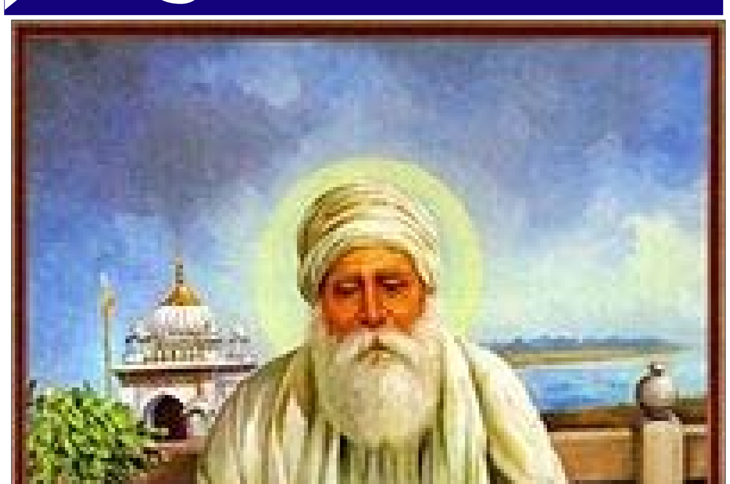

गुरु अमरदास सिक्खों के तीसरे गुरु थे, जो 73 वर्ष की उम्र में गुरु नियुक्त हुए। वे 26 मार्च, 1552 से 1 सितम्बर, 1574 तक गुरु के पद पर आसीन रहे। गुरु अमरदास पंजाब को 22 सिक्ख प्रांतों में बांटने की अपनी योजना तथा धर्म प्रचारकों को बाहर भेजने के लिए प्रसिद्ध हुए। वह अपनी बुद्धिमत्ता तथा धर्मपरायणता के लिए बहुत सम्मानित थे। कहा जाता था कि मुग़ल शंहशाह अकबर उनसे सलाह लेते थे और उनके जाति-निरपेक्ष लंगर में अकबर ने भोजन ग्रहण किया था। गुरु अमरदास के मार्गदर्शन में गोइंदवाल शहर सिक्ख अध्ययन का केंद्र बना।

परिचय- गुरु अमर दास जी सिक्ख पंथ के एक महान् प्रचारक थे। जिन्होंने गुरु नानक जी महाराज के जीवन दर्शन को व उनके द्वारा स्थापित धार्मिक विचाराधारा को आगे बढाया। तृतीय नानक गुरु अमर दास जी का जन्म 5 अप्रैल 1479 अमृतसर के बसरका गाँव में हुआ था। उनके पिता तेज भान भल्ला जी एवं माता बख्त कौर जी एक सनातनी हिन्दू थे। गुरु अमर दास जी का विवाह माता मंसा देवी जी से हुआ था। अमरदास की चार संतानें थी।

समाज सुधार- गुरु अमरदास जी ने सती प्रथा का प्रबल विरोध किया। उन्होंने विधवा विवाह को बढावा दिया और महिलाओं को पर्दा प्रथा त्यागने के लिए कहा। उन्होंने जन्म, मृत्यु एवं विवाह उत्सवों के लिए सामाजिक रूप से प्रासांगिक जीवन दर्शन को समाज के समक्ष रखा। इस प्रकार उन्होंने सामाजिक धरातल पर एक राष्ट्रवादी व आध्यात्मिक आन्दोलन की छाप छोड़ी। उन्होंने सिक्ख धर्म को हिंदू कुरीतियों से मुक्त किया, अंतर्जातीय विवाहों को बढ़ावा दिया और विधवाओं के पुनर्विवाह की अनुमति दी। उन्होंने हिंदू सती प्रथा का घोर विरोध किया और अपने अनुयायियों के लिए इस प्रथा को मानना निषिद्ध कर दिया।

लंगर परम्परा की नींव- गुरु अमरदास ने समाज में फैले अंधविश्वास और कर्मकाण्डों में फंसे समाज को सही दिशा दिखाने का प्रयास किया। उन्होंने लोगों को बेहद ही सरल भाषा में समझाया की सभी इंसान एक दूसरे के भाई हैं, सभी एक ही ईश्वर की संतान हैं, फिर ईश्वर अपनी संतानों में भेद कैसे कर सकता है। ऐसा नहीं कि उन्होंने यह बातें सिर्फ उपदेशात्मक रुप में कही हों, उन्होंने इन उपदेशों को अपने जीवन में अमल में लाकर स्वयं एक आदर्श बनकर सामाजिक सद्भाव की मिसाल क़ायम की। छूत-अछूत जैसी बुराइयों को दूर करने के लिये लंगर परम्परा चलाई, जहाँ कथित अछूत लोग, जिनके सामीप्य से लोग बचने की कोशिश करते थे, उन्हीं उच्च जाति वालों के साथ एक पंक्ति में बैठकर भोजन करते थे। गुरु नानक द्वारा शुरू की गई यह लंगर परम्परा आज भी क़ायम है। लंगर में बिना किसी भेदभाव के संगत सेवा करती है। गुरु जी ने जातिगत भेदभाव को दूर करने के लिये एक परम्परा शुरू की, जहाँ सभी जाति के लोग मिलकर प्रभु आराधना करते थे। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने हर उस व्यक्ति का आतिथ्य स्वीकार किया, जो भी उनका प्रेम पूर्वक स्वागत करता था।

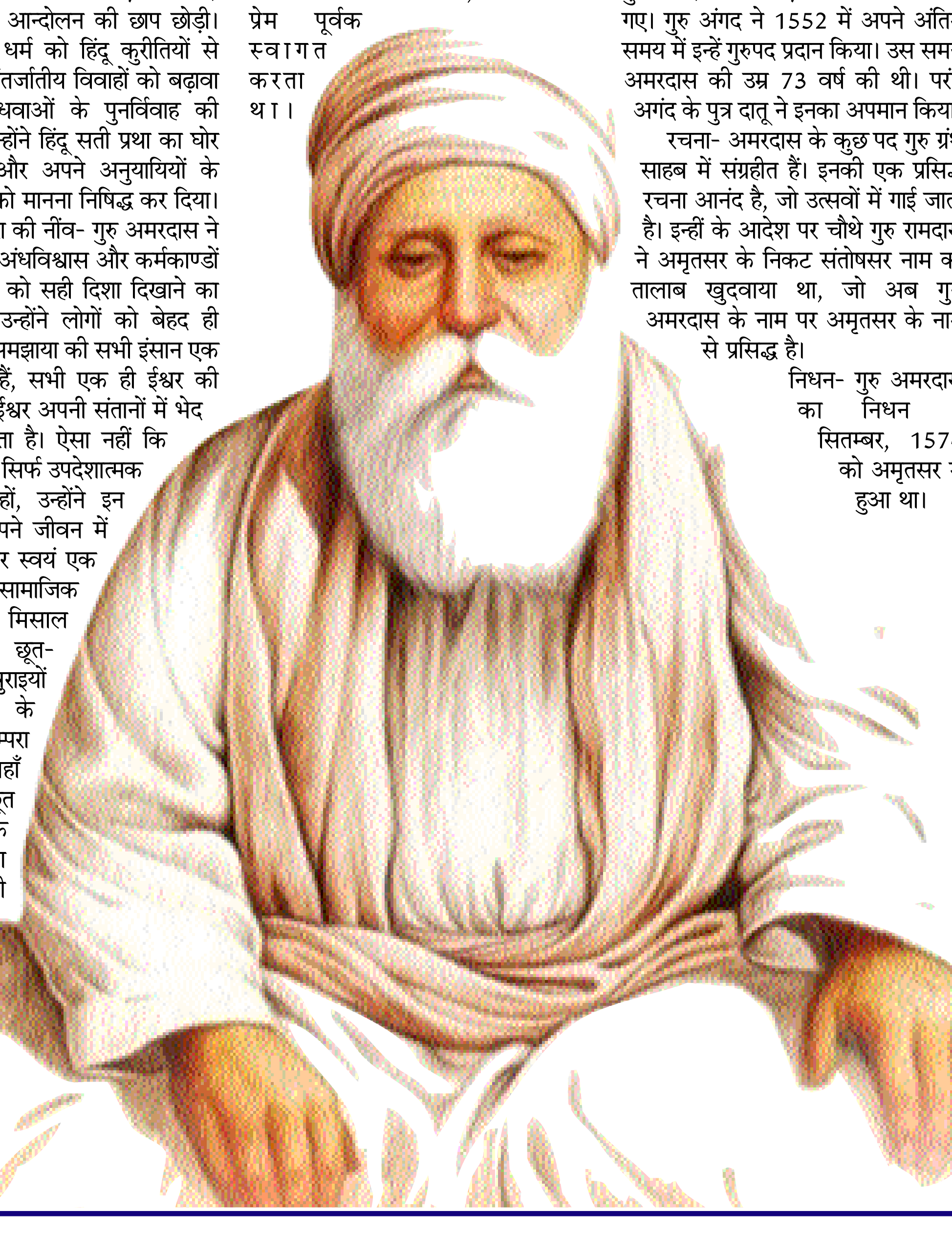

तत्कालीन सामाजिक परिवेश में गुरु जी ने अपने क्रांतिकारी क़दमों से एक ऐसे भाईचारे की नींव रखी, जिसके लिये धर्म तथा जाति का भेदभाव बेमानी था।

गुरुपद- गुरु अमरदास आरंभ में वैष्णव मत के थे और खेती तथा व्यापार से अपनी जीविका चलाते थे। एक बार इन्हें गुरु नानक का पद सुनने को मिला। उससे प्रभावित होकर अमरदास सिक्खों के दूसरे गुरु अंगद के पास गए और उनके शिष्य बन गए। गुरु अंगद ने 1552 में अपने अंतिम समय में इन्हें गुरुपद प्रदान किया। उस समय अमरदास की उम्र 73 वर्ष की थी। परंतु अगंद के पुत्र दातू ने इनका अपमान किया।

रचना- अमरदास के कुछ पद गुरु ग्रंथ साहब में संग्रहीत हैं। इनकी एक प्रसिद्ध रचना आनंद है, जो उत्सवों में गाई जाती है। इन्हीं के आदेश पर चौथे गुरु रामदास ने अमृतसर के निकट संतोषसर नाम का तालाब खुदवाया था, जो अब गुरु अमरदास के नाम पर अमृतसर के नाम से प्रसिद्ध है।

निधन- गुरु अमरदास का निधन 1 सितम्बर, 1574 को अमृतसर में हुआ था।

मॉडर्न लाइफस्टाइल में पतंजलि के आयुर्वेदिक उत्पाद से स्वास्थ्य सेवा को मिली नई दिशा

नई दिल्ली (एजेंसी)। योग गुरु बाबा रामदेव और आयुर्वेदिक विद्वान आचार्य बालकृष्ण ने 2006 में पतंजलि आयुर्वेद की स्थापना की थी। जिसके बाद इस संस्थान ने पारंपरिक आयुर्वेदिक प्रथाओं को मॉडर्न स्वास्थ्य सेवा में जोड़ने का महत्वपूर्ण काम किया है। प्राचीन आयुर्वेदिक उपचारों का आधुनिकीकरण करके और उन्हें आज के वैज्ञानिक रिसर्च के साथ जोड़कर, पतंजलि ने आयुर्वेद को हमारे मॉडर्न लाइफस्टाइल को थोड़ा बेहतर बना दिया है।

आयुर्वेदिक उत्पादों का आधुनिकीकरण पतंजलि ने पारंपरिक आयुर्वेदिक दवाओं को आज के जमाने के यूजर्स के लिए बदल दिया है। अश्वगंधा और त्रिफला जैसे उपचारों को टैबलेट के रूप में बना कर कंपनी ने उनके इस्तेमाल को बहुत ही आसान बनाया है, जिससे उनका रोज़मर्रा के जीवन में इस्तेमाल बहुत आसान हो गया है।

रिसर्च, डेवलपमेंट और मार्केटिंग प्लान- पतंजलि रिसर्च इंस्टीट्यूट आयुर्वेद को आधुनिक विज्ञान से जोड़ने में सहायक रहा है। संस्थान आयुर्वेदिक दवाओं को वैज्ञानिक रूप से मान्यता दिलाने, उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करता है।

पतंजलि का मार्केटिंग प्लान हमारी भारतीय संस्कृति और राष्ट्रीय गौरव के हित में है।

स्वदेशी पहलू पर जोर देते हुए, कंपनी अपने उत्पादों को मल्टीनेशनल ब्रांड के लिए एक अच्छे विकल्प के रूप में पेश करती है। कॉम्पिटिटिव प्राइस निर्धारित करने और बाबा रामदेव के करिश्माई नेतृत्व ने यूजर्स का विश्वास और वफादारी दोनों को बढ़ावा दिया है। कंपनी का डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, जिसमें स्पेशल आउटलेट और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म शामिल हैं, ये सुनिश्चित करते हैं कि सभी प्रोडक्ट ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँच सकें।

वैश्विक पहुंच और सांस्कृतिक एकीकरण - पतंजलि का प्रभाव भारत ही नहीं बल्कि विदेश में भी फैला हुआ है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर आयुर्वेद को बढ़ावा देता है। योग और आयुर्वेद को एक साथ लाकर कंपनी ने स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक होलिस्टिक अप्रोच को प्रोत्साहित करते हुए वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त की है।

इस शेयर में 50त्न से भी ज्यादा की आएगी तेजी, ब्रोकरेज ने कहा- मुनाफे के लिए खरीदो

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑनलाइन फूड डिलीवर करने वाली कंपनी जोमैटो के शेयर में सुस्ती का माहौल है। हालांकि, इस माहौल के बीच जोमैटो के शेयर को लेकर एक्सपर्ट बुलिश नजर आ रहे हैं। गोल्डमैन सैक्स ने शुक्रवार को जोमैटो के शेयर के लिए नया टारगेट प्राइस दिया। गोल्डमैन सैक्स ने जोमैटो के शेयर पर 310 रुपये के टारगेट प्राइस के साथ खरीदें रेटिंग दी है। बता दें कि शेयर शुक्रवार को 205.85 रुपये के निचले स्तर पर तक गया था। इस लिहाज से शेयर 50त्न से अधिक बढ़ सकता है।

हाल के महीनों में शेयर दबाव में रहा है। पिछले साल भर में जोमैटो ने 17.5त्न की बढ़त हासिल की है लेकिन पिछले छह महीनों में इसमें 22त्न की गिरावट आई है। पिछले महीने में शेयर में 5.7त्न की गिरावट आई है। दिसंबर 2024 में शेयर की कीमत 304.50 रुपये तक गई थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी है। जून 2024 में शेयर 146.85 रुपये तक आ गया, जो 52 हफ्ते का लो है। हाल ही में नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) दिल्ली ने जोमैटो के पक्ष में एक बड़ा फैसला दिया है। ट्रिब्यूनल ने यूनिफॉर्म सप्लायर नोना लाइफस्टाइल द्वारा 1.64 करोड़ के कथित भुगतान डिफॉल्ट पर दायर की गई दिवालियापन याचिका को खारिज कर दिया।

अनिल अंबानी की इस कंपनी ने दिया कर्ज का ब्यौरा, शेयर क्रैश, 2 के नीचे है भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्ज संकट से जूझ रही अनिल अंबानी की ज्यादातर कंपनियों के शेयर लंबे समय से रेंग रहे हैं। इनमें से एक कंपनी- रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड (आरकॉम) भी है। इस कंपनी के शेयर में शुक्रवार को बड़ी गिरावट आई और बीएसई पर 5% का लोअर सर्किट लग गया। ट्रेडिंग के दौरान शेयर 1.62 के भाव पर आ गया था। हालांकि, कुछ देर बाद रिकवरी आई लेकिन अब भी शेयर की ट्रेडिंग लाल निशान पर है। पिछले छह महीनों में अनिल अंबानी की अगुवाई वाली इस कंपनी के शेयरों में 23% की गिरावट आई है। एक साल में पेनी स्टॉक में 10त्न की गिरावट आई है।

बता दें कि करीब 16 साल पहले यह शेयर 700 रुपये के पार कारोबार कर रहा था। अक्टूबर 2024 में शेयर की कीमत 2.59 रुपये पर थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। पिछले साल मई महीने में शेयर 1.47 रुपये पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस ने 31 मार्च 2025 तक कुल 40413 करोड़ रुपये के कर्ज की सूचना दी। इसमें शार्ट और लॉन्ग टर्म के लोन शामिल हैं। हालांकि, इस इसमें बैंकों और वित्तीय संस्थानों से ऋण पर 30,116 करोड़ की अर्जित ब्याज राशि शामिल नहीं है और न ही इसमें गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) पर 3361 करोड़ रुपये का ब्याज शामिल किया गया है।

कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज से कहा- रिलायंस कम्युनिकेशंस दिवाला और दिवालियापन संहिता, 2016 के प्रावधानों के अनुसार कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। इसलिए कंपनी के ऋणों का समाधान संहिता के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। 28 जून 2019 से कंपनी के मामलों, कारोबार और परिसंपत्तियों का प्रबंधन राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण, मुंबई बेंच द्वारा नियुक्त रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल अनीश निरंजन नानावटी द्वारा किया जा रहा है। कंपनी के निदेशक मंडल की शक्तियां उनके पास हैं।

वेदांता लिमिटेड का शेयर 9त्न गिरा, एक्सपर्ट ने 450 रुपये का टारगेट प्राइस, क्या आपने लगाया है पैसा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज जिन दिग्गज कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली है। उसमें वेदांता लिमिटेड एक है। कंपनी के शेयरों का भाव करीब 9.40 प्रतिशत तक लुढ़क गया था। यह गिरावट तब देखने को मिली है जब बीते वित्त वर्ष के सभी चारों क्वार्टर में जिंक और एल्युमिनियम का रिकॉर्ड प्रोडक्शन हुआ है। वेदांता लिमिटेड के शेयरों में गिरावट के पीछे की वजह ओवरआल मार्केट का लुढ़कना है। बीएसई में कंपनी के शेयर 435.65 रुपये के लेवल पर खुला था। कंपनी के शेयर दिन में 9.40 प्रतिशत की गिरावट के साथ 398.20 रुपये के लेवल पर पर पहुंच गया। बता दें, कंपनी का 52 वीक लो लेवल 301.70 रुपये है। कंपनी का 52 वीक हाई लेवल 527 रुपये है। कंपनी ने अपने बिजनेस अपडेट में कहा है कि एल्युमिनियम और जिंक प्रोडक्शन ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा। इसके अलावा आयरन ओर, स्टील, ऑयल एंड गैस और पावर सेल्स में तेज ग्रोथ देखने को मिला है। हालांकि, चौथी तिमाही में यह एक प्रतिशत बढ़ा है। एल्युमिनियम का वार्षिक प्रोडक्शन सालाना आधार पर 2 प्रतिशत के इजाफे के साथ 2,421 द्मह्ल रहा। वहीं, जिंक का प्रोडक्शन 1095 kt रहा है। Hensex Securities के एवीपी रिसर्च महेश एम ओझा कहते हैं, टेक्निकल चार्ट पर यह स्टॉक 450 रुपये तक पहुंचता हुआ दिखाई दे रहा है। वेदांता लिमिटेड का सपोर्ट 400 रुपये से 390

आईपीओ लेकर आ रही 56 साल पुरानी कंपनी, सेबी की मंजूरी का है इंतजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीओ मार्केट में एक और कंपनी की एंट्री होने वाली है। इस कंपनी का नाम- स्वास्तिका इंफ्रा है। इस कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से फंड जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के अनुसार जयपुर की कंपनी का आईपीओ 200 करोड़ रुपये के शेयरों के नए इश्यू और प्रमोटरों और अन्य शेयरधारकों द्वारा 19.2 लाख शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी प्री-आईपीओ दौर में 40 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद कर रही है और अगर ऐसा प्लेसमेंट पूरा हो जाता है, तो नए इश्यू का साइज कम हो जाएगा।

क्या होगा पैसे का- 30 मार्च को दाखिल किए गए ड्राफ्ट दस्तावेजों से पता चलता है कि नए इश्यू से प्राप्त 145 करोड़ रुपये की रकम को फंडिंग, वृद्धिशील वर्किंग कैपिटल जरूरतों के लिए निर्धारित किया गया है। इसके अलावा, एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। बतस दें कि स्वास्तिका इन्फ्रा एक इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कंपनी है, जो पावर डिस्ट्रिब्यूशन इंफ्रा प्रोजेक्ट के निष्पादन में विशेषज्ञता रखती है।

इसके पोर्टफोलियो में चार भारतीय राज्यों में 34 पूर्ण हो चुकी बिजली वितरण अवसंरचना परियोजनाएं शामिल हैं। अपनी ईपीसी बिजली परियोजनाओं से राजस्व के अलावा, कंपनी बिजली केबल और अन्य बिजली के सामानों की खरीद और बिक्री से भी राजस्व प्राप्त करती है। सृजन अल्फा कैपिटल एडवाइजर्स एलएलपी और फिलिपकैपिटल (इंडिया) बुक-रनिंग लीड मैनेजर हैं। इस कंपनी की स्थापना 56 साल पहले 1969 में हुई थी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति- वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का नेट प्रॉफिट पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 36.4 प्रतिशत बढ़कर 13.98 करोड़ रुपये हो गया। वहीं, राजस्व 36.7 प्रतिशत बढ़कर 209.6 करोड़ रुपये हो गया। सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए प्रॉफिट 99.7 करोड़ रुपये के राजस्व पर 5.96 करोड़ रुपये था।

ट्रंप के टैरिफ से टेंशन में मार्केट, US के बाद भारतीय बाजार भी धराशायी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ का एलान कर दिया है और इसका असर दुनियाभर के बाजारों के साथ ही भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है।

सप्ताह के पांचवें कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स में 500 अंकों की गिरावट देखने को मिली। वहीं निफ्टी 200 अंक लुढ़ककर 23 हजार के करीब ट्रेड कर रहा है।

वॉल स्ट्रीट को बड़ा झटका ट्रंप ने एलान किया है कि अमेरिका अब सभी इंपोर्ट्स पर कम से कम 10त्न टैरिफ लगाएगा। खासतौर पर चीन, वियतनाम, इंडोनेशिया और यूरोपीय संघ के उत्पादों पर यह दर 25त्न तक जा सकती है। चीन पर कुल 54त्न तक टैरिफ लगाया गया है, जबकि वियतनाम पर 46त्न, कंबोडिया पर 49त्न और इंडोनेशिया पर 32त्न का टैरिफ लगाया गया है।

कल कैसा था मार्केट - कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन शेयर बाजार रेड जोन में खुला। बीएसई पर सेंसेकस्स 322 अंकों की गिरावट के साथ 76,295.36 पर बंद हुआ।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बहू ने सास को बाल पकड़कर घसीटा, आंख पर मारे घूंसे, पति को पिता व भाई से पिटवाया

ग्वालियर। शहर के शिंदे की छावनी इलाके में एक बेरहम बहू ने अपनी सास को बाल पकड़कर घसीटा। जमीन पर पटककर उसे लात-घूंसे मारे। इतना ही नहीं अपने पति को पिता व भाई और इनके साथ आए गुंडों से पिटवाया।

गनीमत रही कि आसपास रहने वाले लोगों ने बीच-बचाव किया। इन लोगों के चंगुल से वृद्धा और उसके बेटे को बचा लिया। पीड़िता वृद्धा का कहना है कि उनकी बहू वृद्धाश्रम भेजने पर उतारू है, इसलिए वह बेटे पर दबाव बनाती है। बेटे ने इंकार किया, तो उसे भी प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। अब वह और उसके परिवार वाले मारपीट भी करने लगे हैं। इसके चलते घर तक छोड़ने को मजबूर हो गए हैं। पीड़ित मां-बेटे अपनी शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे।

शिंदे की छावनी स्थित आदर्श कॉलोनी में रहने वालीं 70 वर्षीय सरला बत्रा ने बताया कि वह अपने बेटे विशाल, बहू नीलिका और इनके बच्चों के साथ रहती हैं। पिछले करीब एक साल से बहू नीलिका उन्हें वृद्धाश्रम भेजने के लिए लगातार बेटे विशाल पर दबाव बना रही है।

बीते रोज उसने इसी बात पर झगड़ा शुरू किया। अपने पिता सुरेंद्र कोहली, बेटे नानक कोहली को बुला लिया। यह लोग चार गुंडे अपने साथ लेकर आए थे। घर के पोर्च में बेटा विशाल था। पहली मंजिल से बहू नीलिका गालियां दे रही थी।

इसी दौरान सुरेंद्र कोहली, नानक कोहली गुंडों के साथ घर में घुस आए। बेटे की मारपीट शुरू कर दी। वह बचाने आई तो बहू नीलिका ऊपर से उतरकर आई। उसने बाल पकड़कर जमीन पर पटका। इसके बाद तो लात-घूंसें बरसाना शुरू कर दिए। उनकी आंख में घूंसे मारे।

बेटे को उसके परिवार वाले गुंडों के साथ मिलकर घसीटते हुए बाहर ले गए। यहां सड़क पर पटककर पीटा। वह बाहर गई, तो यहां दोबारा उनकी बहू ने हमला कर दिया। उसी समय पड़ोसी मदद के लिए आए।

घर छोड़ जा, नहीं तो बेटे और तुझे मार डालूंगी

सरला ने बताया कि उनकी बहू कहती है कि घर छोड़ जा। घर नहीं छोड़ा तो तुझे और तेरे बेटे को जान से मार डालूंगी। उसने यह तक धमकी दी कि उसकी सुपारी दे दी है।

इंदरगंज पुलिस पर लापरवाही का आरोप

सरला ने बताया कि ऐसे मामले में भी इंदरगंज पुलिस ने लापरवाही बरती है। पहले दिन मां-बेटे शिकायत लेकर पहुंचे तो एफआइआर की जगह, एनसीआर काटकर चलता कर दिया गया। अगले दिन एफआइआर की गई। सरला ने कहा कि मेरे आरोप एफआइआर में नहीं लिखे गए। आरोपियों ने राजनीतिक रसूखदारों से सिफारिश कराई थी।

मऊगंज के गडरा में एक घर के अंदर मिली पिता और दो बच्चों की लाशें, इसी गांव में पुलिस पर हुआ था हमला

मऊगंज । मध्य प्रदेश के मऊगंज के गडरा गांव में एक घर के अंदर पिता और दो बच्चों की लाशें मिली हैं। घर के आस-पास रहने वालों को बदबू आ रही थी, उन्होंने पुलिस बुलवाकर दरवाजा तोड़ा तो अंदर कई दिनों पुरानी तीन लाशें मिलीं। इस घटना के बाद वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। ये लाशें अवसेरी साकेत उम्र 60 वर्ष सहित उसकी 12 वर्षीय बेटी मूलर साकेत और 8 वर्षीय बेटे लाली साकेत की बताई जा रही हैं।

तीनों की मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई या स्पष्ट नहीं हो सका है। फिलहाल घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है और मौका मुआयना कर शवों को कब्जे में लेकर पीएम के लिए अस्पताल भेजने की तैयारी की जा रही है। दो बच्चों के साथ रहते थे

अवसेरी की पत्नी का पहले निधन हो चुका है और वे अपने दोनों बच्चों के साथ रहते थे। घटना की सूचना मिलने के बाद कलेक्टर संजय कुमार जैन के साथ पुलिस एसपी दिलीप कुमार भी गडरा गांव पहुंच गए हैं।

रीवा से फॉरेंसिक की टीम को घटनास्थल की जांच करने के लिए बुलाया गया है। पुलिस आस-पास के लोगों से पूछताछ कर पता लगाने की कोशिश कर रही है कि घर कब से बंद था और उन्होंने औसेरी और उसके बच्चों को आखिरी बार कब देखा था।

गांव में मचा हड़कंप गडरा गांव में एक साथ पिता बेटी और बेटे की लाश से मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। सूचना मिलते ही कलेक्टर एसपी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंच गया था। बता दें की यह वही गांव है जहां बीते कुछ दिन पूर्व एक शख्स की हत्या के बाद ग्रामीणों का आक्रोश इस कदर फूटा था कि उन्होंने पुलिस बल के ऊपर हमला कर दिया। हमले में एक एएसआई की मौत हो गई थी, जिसके बाद से यह गांव पुलिस छावनी में तब्दील रहा।

इनकी मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई है यह साफ नहीं हो सका है। सभी शव डीकंपोज हो चुके हैं और दुर्गंध आने लगी है। फिलहाल स्थानीय जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद हैं और घटना के कारणों का पता लगाने सहित मामले की जांच के निर्देश दिए है। इधर विवादित गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत की लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है और मामले को गांव में हुई पूर्व की घटना से भी जोड़कर देखा जा रहा है।

खंडवा के कोंडावद में एक साथ जलीं 8 चिताएं, कुएं में जहरीली गैस से हुई थी मौत

खंडवा । खंडवा जिले के कोंडावद गांव में गणगौर माता के जवारे विसर्जन के लिए कुएं की सफाई के दौरान हादसे का शिकार हुए 8 ग्रामीणों के शव शुक्रवार सुबह करीब 8ः30 बजे जिला अस्पताल से गांव पहुंचे।

एंबुलेंस का काफिला पहुंचते ही गांव में चीख पुकार और हर आंख नम हो गई। गांव में एक साथ आठ अर्थियां निकली गई। इसमें दो हजार से अधिक लोग शामिल हुए। कुंडावत गांव के श्मशान घाट पर पहली बार एक साथ आठ शवों का अंतिम संस्कार सुबह हुआ। यहां आठ आर्थियों को परिवार के लोगों द्वारा अग्नि देते ही माहौल गमगीन हो गया। गुरुवार दोपहर से गांव के अधिकांश घरों में चूल्हा नहीं जला है।

मृतक अर्जुन पटेल की छह लड़कियां हैं, 15 साल की बालिका खुशी ने पिता को दी मुखाग्नि।

प्रदेश में 8 वर्ष बाद होंगे 5 चरणों में सहकारी समितियों के चुनाव

भोपाल। मध्य प्रदेश में 50 लाख से अधिक किसानों की सदस्यता वाली प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पीएसीएस) के चुनाव आठ वर्ष के लंबे अंतराल के बाद अब होने जा रहे हैं। हाई कोर्ट के सख्त निर्देशों के बाद राज्य सरकार ने इन चुनावों को प्राथमिकता दी है।

महाधिवक्ता कार्यालय ने इसे अति आवश्यक बताते हुए पांच चरणों में चुनाव कराने का फैसला किया है, जो एक मई से सात सितंबर 2025 के बीच संपन्न होंगे। यह चुनाव गैर दलीय आधार पर होंगे, लेकिन कांग्रेस और भाजपा ने अपनी-अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं।प्राथमिक समितियों के बाद जिला सहकारी बैंक और अपेक्स बैंक के संचालक मंडल के चुनाव भी कराए जाएंगे। सहकारी अधिनियम में हालिया संशोधन के बाद यह पहला चुनाव होगा।

हाई कोर्ट के निर्देशों ने बढ़ाया दबाव

प्रदेश में प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों के चुनाव आखिरी बार 2013 में हुए थे, जिनका कार्यकाल 2018 में समाप्त हुआ। नियमानुसार छह माह पहले चुनाव प्रक्रिया शुरू हो जानी चाहिए थी, लेकिन विधानसभा चुनाव, किसान कर्ज माफी और अन्य कारणों से यह लगातार टलता रहा।

कांग्रेस और शिवराज सरकारों के कार्यकाल में भी यह प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी। इस बीच, वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर प्रशासकों की नियुक्ति की गई, लेकिन सहकारी अधिनियम के अनुसार यह व्यवस्था अधिकतम एक साल तक ही वैध थी।चुनाव न होने से असंतोष बढ़ा और हाई कोर्ट की जबलपुर व ग्वालियर खंडपीठ में कई याचिकाएं दायर हुईं। मार्च में महाधिवक्ता कार्यालय ने सुनवाई के दौरान मुख्य सचिव और सहकारिता विभाग को सुझाव दिया कि चुनाव जल्द कराना जरूरी है। इसके बाद राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकारी ने कार्यक्रम घोषित किया।

चुनाव कार्यक्रम के तहत पहले चरण में उन समितियों को शामिल किया जाएगा, जो पुनर्गठित हो चुकी हैं। भारत सरकार के सहकारिता क्षेत्र के विस्तार के निर्देशों के कारण पहले पुनर्गठन पर जोर दिया गया, लेकिन अब हाई कोर्ट के दबाव में प्रक्रिया तेज की गई है। निर्वाचन प्राधिकारी ने स्पष्ट किया कि सभी चरणों में व्यवस्थित ढंग से मतदान होगा। सबसे पहले रजिस्ट्रीकरण व निर्वाचन अधिकारी को सदस्यता सूची सौंपी जाएगी, जिसके बाद दावा-आपत्ति का निराकरण कर अंतिम सूची जारी होगी। महिलाओं के लिए संचालक मंडल में पद आरक्षित होंगे। आमसभा की सूचना के साथ नामांकन और चुनाव प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

आकांक्षी जिला कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर खंडवा को नीति आयोग से मिला 3 करोड़ रुपये का पुरस्कार

इंदौर। आकांक्षी जिला कार्यक्रम के तहत इंदौर संभाग के खंडवा ज़िले ने स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में असाधारण प्रगति की है। नीति आयोग ने जिले के उत्कृष्ट प्रयासों की सराहना की है। नीति आयोग ने प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिये खंडवा ज़िले को 3 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिये ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने और कुपोषण के खिलाफ व्यापक रणनीति अपनाने के प्रयास प्रमुख रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि खंडवा की यह उपलब्धि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार हो रहा है। आकांक्षी ज़िला कार्यक्रम के तहत इस तरह की सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह उपलब्धि खंडवा प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा और एएनएम के सतत प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों, मैदानी कार्यकर्ताओं की सराहना की है।

फंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर कार्यक्षमता में की गई वृद्धि- मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओ.पी. जुगतावत ने बताया कि खण्डवा ज़िले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिये योजनाबद्ध प्रयास किए गए। ज़िले में प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। आउटरीच स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार कर दूरस्थ इलाकों में चिकित्सा सुविधा पहुंचाई गई। इसके साथ ही फंटलाइन हेल्थ वर्कर्स को निरंतर प्रशिक्षित कर उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि की गई।

हाई रिस्क प्रेगनेंसी की समय पर पहचान कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव किया गया सुनिश्चित- जिले में मातृ स्वास्थ्य में सुधार के लिये गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, जांच और संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के लिए नवीन प्रसव केंद्र स्थापित किए गए। चिन्हित उप-स्वास्थ्य केंद्रों को प्रसव सुविधा से सुसज्जित किया गया, जिससे घर पर प्रसव के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान कर उनका समुचित उपचार सुनिश्चित किया गया। 'लक्ष्य' एवं नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड्स (एनक्यूएएस) के तहत ज़िले की 25 स्वास्थ्य संस्थाओं को उन्नत किया गया, जिससे मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिल रही हैं। छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण और कुपोषित बच्चों की विशेष देखरेख- ज़िले में शिशु स्वास्थ्य में सुधार के लिए समेकित प्रयास किए गये। सम्पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने के साथ कुपोषण निदान की सघन कार्यवाही से सकारात्मक परिणाम मिलना प्रारम्भ हुए। 'मिशन इंद्रधनुष' के तहत छूटे हुए बच्चों को चिन्हित कर उन्हें पूर्ण टीकाकरण के दायरे में लाया गया। कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें पूरक पोषण योजनाओं से जोड़ा गया। आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से शिशु पोषण और देखभाल पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को किया सशक्त- जिले में 177 उप-स्वास्थ्य केंद्रों को 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के रूप में क्रियाशील किया गया, जिससे ग्रामीणों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ हुईं। टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तहत लक्ष्य से अधिक मरीजों की पहचान कर उन्हें उपचारित किया गया। नॉन-कम्युनिकेबल डिसीज़ (एनसीडी) कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच के लिए व्यापक अभियान चलाया गया, जिससे मरीजों का समय पर उपचार संभव हुआ।

मंत्री श्री सिलावट ने नगर निगम के बजट को सराहा

इंदौर। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने नगर निगम के बजट की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इंदौर शहर मुख्यमंत्री जी के सपनों का शहर है। मुख्यमंत्री जी की मंशानुसार नये बजट में इंदौर शहर वासियों के लिए कई राहत भरी घोषणाएं की गई हैं, जो सराहनीय हैं। श्री सिलावट ने कहा है कि बजट में नगर निगम का खुद का डिजिटल पोर्टल शुरू करने की घोषणा की गई है। इससे प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और तेजी आएगी। ई-पोर्टल से इंदौर वासियों के मोबाइल पर एक क्लिक से सभी प्रकार की नागरिक सुविधाएं प्राप्त होगी। बजट में स्वच्छ भारत मिशन अभियान के तहत इंदौर को स्वच्छ, स्वस्थ एवं सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रावधान रखे गये हैं। शहर को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। खास बात यह है कि इस बजट में कोई नया कर नहीं लगाया गया है और न ही किसी कर में बढ़ोतरी की गई है। मंत्री श्री सिलावट ने बजट का स्वागत किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री अरविंद जोशी के निधन पर किया शोक व्यक्त

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माधवाश्रम न्यास गौशाला के संस्थापक व पूर्व अध्यक्ष श्री अरविंद जोशी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। श्री अरविंद जोशी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं वर्तमान में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश भैयाजी जोशी के बड़े भाई थे। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए, बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान एवं शोकाकुल परिजनों को दुःख की इस घड़ी में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर पहुँचकर स्व. श्री अरविंद जोशी को दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज शाम इंदौर आये। वे एयरपोर्ट से सीधे स्नेह नगर पहुँचे। यहाँ उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व सरकार्यवाह एवं वर्तमान में अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश भैयाजी जोशी के ज्येष्ठ भ्राता एवं माधवाश्रम न्यास गौशाला के संस्थापक व पूर्व अध्यक्ष श्री अरविंद जोशी के निधन पर शोक व्यक्त किया तथा भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोक संतप्त परिवार को ढ़ांढस बंधाया। उन्होंने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए बाबा महाकाल से पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा दुःख की इस घड़ी में शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने स्वर्गीय श्री अरविंद जोशी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ भी मुख्यमंत्री जी के साथ थे।

समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए जिले में 35 हजार से अधिक किसानों ने कराया पंजीयन

इंदौर। इंदौर जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं विक्रय के लिए अभी तक 35 हजार से किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। जिले में पंजीयन से शेष रहे किसानों के लिए एक और अवसर राज्य शासन द्वारा दिया गया है। ऐसे किसान जिन्होंने अपना पंजीयन नहीं कराया है, वे 9 अप्रैल तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। पूर्व में पंजीयन की अंतिम तिथि 31 मार्च थी।

कलेक्टर आशीष सिंह ने जिले की सभी समितियों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे पंजीयन तिथि वृद्धि की सूचना सभी किसानों तक पहुँचायें। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा है कि पंजीयन केंद्र के समिति प्रबंधक, ऑपरेटर तथा उपार्जन से संबंधित अमले को पाबंद करें कि कोई भी इच्छुक किसान पंजीयन से शेष न रहे, इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार स्थानीय स्तर पर किया जाये। पंजीयन से शेष रहे किसानों को फोन करके सूचित कर पंजीयन की तिथि 9 अप्रैल तक बढ़ाई गई है कि सूचना देकर पंजीयन करना सुनिश्चित करें। समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए किसानों का पंजीयन होना अनिवार्य है।

पंजीयन से शेष और इच्छुक किसान अपने निकटतम गेहूं खरीदी पंजीयन केंद्र पर या एमपी ऑनलाइन कियोस्क तथा मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे अपना पंजीयन कर सकते है। सभी किसानों से अपील की गई है कि वह अपना गेहूं समर्थन मूल्य पर विक्रय करना चाहते हैं, तो अपना पंजीयन समय सीमा में जरूर करायें, जिससे कि उपज समर्थन मूल्य पर बेचने में कोई असुविधा न हो।

जल संरक्षण के प्रति जागरूकता के लिए हुआ जल संवाद

इंदौर। इंदौर जिले में राज्य शासन द्वारा दिये गए दिशा-निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का क्रियान्वयन प्रभावी रूप से किया जा रहा है। अभियान के तहत तालाबों, कुँओं, बावड़ी आदि के गहरीकरण, जीर्णोद्धार आदि के कार्य किये जा रहे हैं। ग्रामीणों को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित भी किया जा रहा है।

इसी के तहत गत रात्रि जिले के इंदौर विकासखंड के ग्राम जलोदकेऊ में जल संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस गांव में ग्रामीणों ने श्रमदान कर तालाब का गहरीकरण भी किया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा तहसील स्तरीय चयनित आदर्श ग्राम सेक्टर बुराना खेड़ी के विकास प्रस्फुटन समिति ग्राम जलोदकेऊ द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत समिति सदस्यों एवं ग्रामीणों के साथ जल संवाद किया गया। जिसमें जल स्रोतों का पूजन एवं रख-रखाव हेतु श्रमदान कर पुराने जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने हेतु चर्चा की गई। जल संरक्षण हेतु दीवार पर लेखन के माध्यम से ग्रामीणों को जागरूक किया गया। जल के अपव्यय को रोकने हेतु समाज को प्रेरित किया गया। इसी कड़ी में आज प्रातः ग्राम जलोदकेऊ में स्थित छोटे तालाब में श्रमदान कर गहरीकरण किया गया तथा जल को सहेजने एवं उसके संरक्षण हेतु शपथ दिलवाई भी गई। जल संवाद एवं श्रमदान में मुख्य रूप से जिला समन्वयक श्रीमती ऋजुता पहाड़े, विकासखंड समन्वयक श्री प्रवेश शर्मा, समिति के अध्यक्ष श्री राजेश तंवर, सचिव श्री हरिराम गौड़, श्री घनश्याम चंदेल, श्री सुनेर सिंह तंवर, श्री मोती सिंह तंवर, श्री घनश्याम डाबी एवं अन्य समिति सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

कुशल वित्तीय प्रबंधन से संभव हो रहा है, विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों और जन हितैषी कार्यों का विस्तार - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश में डबल इंजन की सरकार जनहितैषी संकल्पों के साथ अग्रसर है। उद्योग-व्यापार से लेकर खेलों तक राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन और नीति आयोग के निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक विभाग में सुशासन के मूल भाव के साथ गतिविधियों की मॉनिटरिंग जारी है। राज्य सरकार के हर विभाग ने अपने-अपने क्षेत्र में श्रेष्ठतम कार्य करने का संकल्प लिया है। राज्य सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर अपनी पुरानी देनदारी चुका कर, नई दृष्टि से विकास के पैमानों पर आगे बढ़ रही है।विकास के साथ औद्योगिक गतिविधियों और जन हितैषी कार्यों का विस्तार इन्हीं दृढ़संकल्पों की परिणीती है। राज्य सरकार, प्रदेशवासी और अधिकारी- कर्मचारी एकजुट होकर एक भावना के साथ प्रगति पर अग्रसर हों, इसी मंशा के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने इस वर्ष बजट में कोई नया टैक्स नहीं लगाया, बावजूद इसके गत वर्ष की तुलना में बजट में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई। कुशल वित्तीय प्रबंधन और सभी के सहयोग से सरकार हर क्षेत्र में अपने तय लक्ष्यों को प्राप्त कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया को जारी संदेश में यह विचार व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने शासकीय कर्मचारियों के हित में लगभग 10-15 वर्ष तक पुराने भत्तों की राशि बढ़ाने का निर्णय लिया है। इसके लिए वर्ष 2025-26 के बजट में राशि आवंटित की गई है, जिससे सरकार पर करीब 1500 करोड़ रुपए का व्यय भार आएगा। उन्होंने कहा कि सरकार कुशल वित्तीय प्रबंधन के आधार पर ही अपने अधिकारी-कर्मचारियों की बेहतरी का ध्यान रख पा रही है। उन्होंने कहा कि विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में प्रदेश को प्राप्त हो रही उपलब्धियों का श्रेय अधिकारी-कर्मचारियों को जाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि पूरे देश में मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसने अपनी 7-8 साल पुरानी सारी देनदारी चुकाने का कार्य किया। हमारी सरकार ने एमएसएमई और हैवी इंडस्ट्रीज सहित सभी प्रकार की इकाइयों को गत एक वर्ष में लगभग 5 हजार 225 करोड़ रुपए की राशि देने का काम किया है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

पालतू श्वान को उद्यान में घूमाने पर श्वान मालिक पर होगी चालानी कार्यवाही - प्रभारी सदस्य शिवेंद्र तिवारी

उज्जैन। उद्यान प्रभारी श्री शिवेंद्र तिवारी द्वारा शुक्रवार को नगर निगम मुख्यालय में उद्यान विभाग अंतर्गत समस्त जोन में जो कार्य किए जा रहे हैं उनके कार्यों की समीक्षा कार्यपालन यंत्री श्री केदार खत्री, उद्यान विभाग के प्रभारी अधिकारी श्री मनोज राजवानी की उपस्थिति में की गई, साथ ही मुख्य रूप से निर्देश दिए गए की उद्यानों में श्वान को घूमाने पर श्वान मालिक पर चालानी कार्यवाही की जाएगी क्योंकि प्रायः देखने में आता है कि पालतू श्वान को उद्यान में घूमाते समय श्वान द्वारा गंदगी की जाती है जिससे उद्यान में घूमने वाले को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बैठक में श्री शिवेंद्र तिवारी द्वारा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि शहर के उद्यानों के संधारण एवं सौंदर्यकरण हेतु महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा भी निर्देशित किया गया है उन पर क्या कार्रवाई की गई इसकी जानकारी उपलब्ध करवाई जाए, गर्मी के समय को दृष्टिगत रखते हुए शहर में निगम द्वारा जो संचालित उद्यान है उनमें पानी का छिड़काव करवाया जाकर जिन उद्यानों में मोटर पंप का साधारण करवाया जाना है वह करवाया जाए, जिन उद्यानों में पानी की व्यवस्था नहीं है वहां पर टेंकरों के माध्यम से पानी का छिड़काव समय-समय पर करवाते रहे, शहर में रोटरी एवं डिवाइडरो पर लगे पौधों में छिड़काव कार्य करवाया जाए उद्यान के कार्यों के मेंटेनेंस से संबंधित जो कार्य होते हैं उनके लिए वाहनों के खरीदने का प्रस्ताव भेजे ताकि पेड़ों की ट्रिमिंग, कटाई का कार्य किया जा सके इसी के साथ सिंहस्थ 2028 अंतर्गत जोन से संबंधित जो प्रस्ताव एवं कार्य करवाया जाना है उन्हें गंभीरता से लिया जाए, जहां चौड़ीकरण किया जाएगा ऐसे क्षेत्रों में जहां पर भी पुराने एवं प्राचीन पेड़ आ रहे हैं उन्हें हटाया जाकर रिट्रांसप्लांट करने की कार्यवाही करें।

बैठक में उपयंत्री श्री गायत्री प्रसाद डेहरिया, सौम्या चतुर्वेदी, पूजा जायसवाल एवं दरोगा उपस्थित है।

बाबा साहब के रथ एवम संविधान यात्रा के माध्यम से घर-घर पहुंचा जा रहा है बाबा साहब का संदेश

उज्जैन। बाबा साहब के जन्म महोत्सव एवं संविधान धर्म जागरण यात्रा अजाक्स संगठन द्वारा निकाली जा रही है। यह यात्रा 14 दिनों तक जिले के सभी गांव में जाकर बाबा साहब का संदेश पहुंच रही है। संभागीय अध्यक्ष जगन्नाथ बागड़ी ने जानकारी देते हुए बताया कि संविधान धर्म 1 अप्रैल को टावर से शुरू की थी। जो लगातार उज्जैन के ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर भ्रमण कर रही है। झालदा तहसील में यात्रा का महिदपुर के विधायक दिनेश बॉस ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यात्रा का स्वागत किया।

इसी दौरान बड़ी संख्या में विधायक के साथ कार्यकर्ता उपस्थित थे। यात्रा के दौरान सभी जगह पर प्रांतीय अध्यक्ष मध्य प्रदेश अजाक्स जेएन कंसोटिया साहब के निर्देश अनुसार 13 सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन भी दिया जा रहा है। अजाक्स की लंबित मांगों को लेकर या ज्ञापन लगातार दिया जाएगा। अजाक्स संगठन बाबा साहब का जन्म महोत्सव 1 अप्रैल से 14 अप्रैल तक बाबा साहब की रथ यात्रा निकाल कर मनाया जा रहा है। रथ के माध्यम से जिले के सभी गांव में जाकर यात्रा निकल जा रही है और बाबा साहब का संदेश घर-घर तक संगठन द्वारा पहुंचाने का काम किया जा रहा है। संविधान बचाओ, भारत बचाओं अभियान को लेकर अजाक्स चला गांव की ओर, शुद्ध बनो बुद्ध बनो की भावनाओं के साथ भारत के संविधान की रक्षा के उद्देश्य को लेकर बाबा साहब अंबेडकर का भारतीय संविधान निर्माण में योगदान का स्मरण, सम्मान, पुष्पांजलि, अ.भा. कवि सम्मेलन, संविधान शपथ विधि समारोह कार्यक्रम दिनांक 1 अप्रैल 2025 से 14 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जाएगा।

संत शिरोमणि श्री 1008 सुंदरदास जी के 429वें जन्मोत्सव पर निकलेगा खंडेलवाल समाज का ध्वज चल समारोह

उज्जैन। खण्डेलवाल समाज उज्जैन द्वारा समाज के संत शिरोमणि श्री 1008 सुंदरदास जी के 429वें जन्मोत्सव का भव्य आयोजन होगा। 6 अप्रैल रविवार को शाम 5 बजे खण्डेलवाल वैश्य पंचायत के तत्वावधान में बुधवारिया स्थित खण्डेलवाल भवन से भव्य चल समारोह निकलेगा जो निकास, कंठाल, तेड़ीवाड़ा, सतीगेट, छत्री चौक, गोपाल मंदिर, मिर्जा नईम मार्ग, गोला मंडी से होते हुए पुनः खंडेलवाल भवन पहुंचेगा, चल समारोह के आगमन पश्चात भव्य आरती होगी एवं सामाजिक सहभोज होगा। चल समारोह में बैंड, घोड़े, बग्गी, निशान ध्वज आदि के साथ संत श्री, श्रीनाथ जी एवं राम जी की तस्वीरें सम्मिलित होंगी। खण्डेलवाल वैश्य पंचायत अध्यक्ष गोविंद खण्डेलवाल, सचिव अनिल सामरिया।

जाट समाज एवं अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद आज मंदिर टूटने के विरोध में प्रदर्शन कर ज्ञापन देगा

उज्जैन। विकास के नाम पर हिंदुओं मंदिर एवं सत्य वीर तेजी हनुमान मंदिर दोनों को तोड़ने के लिए शासन प्रशासन द्वारा निर्णय लिया गया है। विक्रम नगर कलेक्टर कार्यालय के पीछे रोड चौड़ीकरण का काम किया जा रहा है और जहां पर दो मंदिर है उसे भी तोड़ने के आदेश हुआ है। सत्यवीर तेजाजी महाराज जो कि जाट समाज के कुल देवता है। साक्षात नाग देवता रोजाना दर्शन दे रहे हैं तेजा दशमी के दिन वहां पर लाखों लोगों का मेला लगता है।

अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद महानगर अध्यक्ष राजू यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्राचीन मंदिर 45 साल पुराना है लेकिन मंदिर तोड़ने का शासन प्रशासन का बार बार निर्देश देते हैं। यह मंदिर को बचाने के विरोध जाट समाज, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल एवम सर्व हिंदू समाज के साथ में चरण बद आंदोलन करेगा। आज 5 अप्रैल शनिवार को सुबह 11:00 मंदिर प्रागण में एकत्रित होकर धरना प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाएगा।

पुलिस ने सुलझाई हत्या की गुत्थी,12 वी मे पढने वाले पडोसी युवक ने गुस्से में की हत्या

उज्जैन। नागदा में जवाहर मार्ग डॉक्टर शर्मा की गली में रहने वाली बुजुर्ग प्रीति जैन की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने मृत्यु दिनांक से महज 72 घंटे में सुलझा दिया है द्य हत्या के इस संगिन अपराध को प्रीति जैन के पड़ोस में रहने वाले 18 साल के युवक ने अंजाम केवल इसलिए दिया क्योंकि प्रीति जैन गुस्से में आकर पुलिस में रिपोर्ट करने के साथ ही युवक के गाल पर तमाचा भी जड़ दिया था जिससे गुस्से में आकर युवक ने सीमेंट की बिल्सी से सिर पर वार कर दिया और दो दिन उपचार के बाद उज्जैन अस्पताल में प्रीति जैन की मृत्यु हो गई द्य किसी को शक ना हो इसलिए युवक प्रीति जैन को अस्पताल भी ले गया और परिजनों के साथ हर समय मौजूद भी रहा।

गौरतलब हे की जवाहर मार्ग डॉक्टर शर्मा की गली में रहने वाली 68 वर्षीय प्रीति पति ओमप्रकाश जैन 24 मार्च की रात में अपनी ही घर के किचन में खून से लथपथ पड़ी थी इस बात की सूचना गुलाबबाई कॉलोनी में रहने वाली उनकी देवरानी ज्योति जैन ने मंडी पुलिस को दी थी लिखित सूचना में उन्होंने बताया था कि रात में जब उनसे मिलने पहुंची थी तो खून से लथपथ किचन में मिली थी इसके बाद उन्हें उपचार के लिए जनसेवा अस्पताल ले जाया गया तबीयत खराब होने से उन्हें उज्जैन तेजनकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था प्रीति जैन के पुत्र आशीष जैन द्वारा 28 तारीख को पहुंचकर घर की स्थिति देखी गई तो उन्हें सीमेंट की बिल्सी के टुकड़े भी मिले थे द्य इधर मामले जानकारी लगने के बाद पुलिस ने अलग-अलग दल बनाकर एफएसएल टीम की मदद से साक्ष भी लिए साथ ही सीसीटीवी कैमरे की तलाशी भी की गई इसके साथ ही पुलिस ने मुखबिरो को भी काम पर लगा दिया द्य मात्र 72 घंटे में ही पुलिस के पास मुखबीर से सूचना प्राप्त हो गई कि पड़ोस में रहने वाला यशवर्धन सोलंकी कुछ दिनों से हैरान परेशान घबराया हुआ दिख रहा है यशवर्धन की तलाश में टीम उनके घर पहुंची तो यह यशवर्धन घर पर नहीं मिला परिजनों को इसकी जानकारी दी गई यशवर्धन 2 दिन बाद उसके माता-पिता के साथ थाने पर उपस्थित हुआ पूछताछ करने पर उसने जुर्म करना स्वीकार कर बताया कि 24 तारीख को वह अपनी छत पर रोज की तरह कसरत कर रहा था इस दौरान उसके कान में लगे ईयर बर्ड पड़ोस में प्रीति जैन की छत पर गिर गए जब ईयर बर्ड लेने उनकी छत पर पहुंचा तो उन्होंने मुझे देख लिया था और उन्होंने मुझसे कहा कि तू चोरी के इरादे से छत पर आया है मैं पुलिस में तेरी रिपोर्ट करुंगी तेरे माता-पिता को भी बताऊंगी बातचीत में ही गुस्से गुस्से में उन्होंने मेरे गाल पर तमाचा जड़ दिया जिससे मुझे बहुत ज्यादा गुस्सा आ गया।

उपासना साधना की निरंतरता से साधक जीवन एक एक सीढ़ी ऊपर चढ़ता जाता है- श्याम लाल जोशी

उज्जैन। नवरात्रि शक्ति साधना का पर्व है। इसमें नियमितता और निरंतरता से उपासना साधना करने से साधक जीवन में एक-एक सीढ़ी ऊपर चढ़कर परम पद प्राप्त कर सकता है। भारतीय ऋषियों ने इसीलिए निश्चित समय अंतराल पर नवरात्रियों का विधान रखा है। यह जानकारी श्री श्याम लाल जोशी वरिष्ठ गायत्री परिजन और भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला समन्वयक ने सार्थक नगर में वार्षिक पंच कुण्डीय गायत्री यज्ञ में उपस्थित याजकों को दी। आपने उपस्थित याजकों से नियमित गायत्री महामंत्र जप करने का संकल्प भी कराया।

सार्थक नगर प्रज्ञा मंडल के बृज नारायण श्रीवास्तव और रमेश चंद्र लेवे के प्रयासों से यहां वर्ष 2011 से प्रतिवर्ष पंच कुण्डीय गायत्री यज्ञ आयोजन हो रहा है।

गायत्री शक्तिपीठ पर नवरात्रि अनुष्ठान पूर्णाहुति 6 अप्रैल रविवार को

गायत्री शक्तिपीठ पर चैत्र नवरात्रि अनुष्ठान की पूर्णाहुति रविवार 6 अप्रैल को प्रातः 8:30 से दोपहर 12:30 बजे तक 9 कुण्डीय गायत्री एवं श्री राम प्रकटोत्सव के साथ होगी। कन्या भोज के बाद साधकों के लिए भोजन की शादी की व्यवस्था रहेगी। व्यवस्थापक श्री जे पी यादव ने सभी श्रद्धालुओं , साधकों से आयोजन में भागीदारी कर पुण्य लाभ देने का अनुरोध किया है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com